गोलालारीय समाज का मुखपत्र

golalariya.darshan@gmail.com
गोलालारीय दर्शन यहां भी देख सकते है –
www.golalariya.com
9406744064

मासिक
गोलालारीय दर्शन
सफलता के 13 वर्ष
अपनों के साथ अपनी बातें
लेट पोस्टिंग

RNI No. MPHIN/2008/26873
No. MP/IDC/1252/2021-2023
सेवा में,

जो भरा नहीं है भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं । हृदय नहीं वह पत्थर है, जिसको समाज से प्यार नहीं ।

वर्ष : 13 अंक : 5 पृष्ठ संख्या : 10 माह – 15 मार्च 2022 सहयोग राशी 1100/– देकर सदस्य बनें ।

अद्भुत, अद्वितीय, अकल्पनीय, अविस्मरणीय

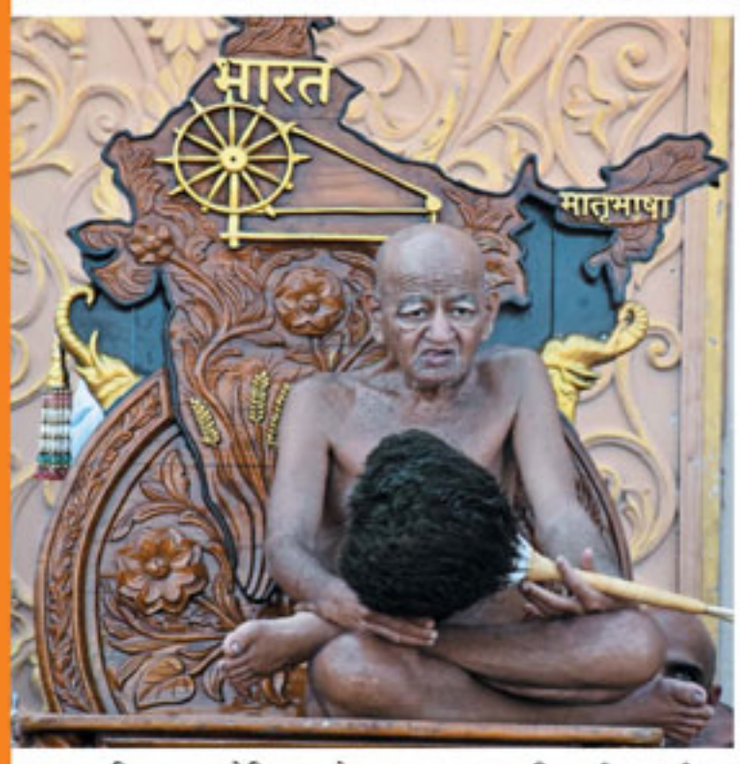

भव्य, दिव्य, अलौकिक और अद्भुत 500 फीट की पहाड़ी पर स्थित दुनिया के सबसे बड़े जैन मंदिर के सामने खड़े होने पर यह शब्द मुंह से बरबस ही फूट पड़ते हैं । यह मंदिर नहीं बल्कि जीवंत हो उठा 1500 वर्ष का इतिहास हैं जिसने कुंडलपुर को कोणार्क, दिलवाड़ा सोमनाथ और जगन्नाथ जैसे जग प्रसिद्ध मंदिरों की कतार में खड़ा कर दिया है। यह सभी नागर शैली के सदियों पुराने मंदिर हैं पत्थरों की नक्काशी में मध्यप्रदेश के खजुराहो की विश्व धरोहर कंदारिया मंदिर की शैली का यह दूसरा मंदिर है जिसे सदियों तक याद किया जाता रहेगा । अयोध्या में निर्माणाधीन राम मंदिर भी इसी शैली में तैयार हो रहा है । राजस्थान के 12 लाख टन उत्कृष्ट पत्थरों में कारीगरों ने जैसे जाने फूंक दी हैं। नक्काशी हमें 1500 साल पहले अस्तित्व में आई नागर शैली की याद दिलाती है। हर पत्थर पर अक्स ऐसे उकेरे गए हैं जैसे वे कुछ कहना चाहते हैं जैन मुनियों से लेकर अन्य संतों की मुद्राएं जैसे आशीर्वचन देने को उद्धत हैं।

64 स्तंभों में बिना सीमेंट गारा के खड़े 189 फीट ऊंचे इस मंदिर के भीतर के गर्भगृह, नृत्य मंडप, रंग मंडप, गुण मंडप और उनके गुबंद के भीतरी हिस्से में महीन कारागारी उत्कृष्ट स्थापत्यकला का नमूना है । इस आलौकिक मंदिर को सजाने के लिए ऐतिहासिक पहल की जा रही है 1008 भगवान आदिनाथ जी के मुख्य मंदिर में 189 ऊंचे शिखर पर 200 किलोग्राम सोने का कलश चढ़ाया जाएगा।

तप कल्याणक के समय 2 लाख श्रावक इस पावन धरा पर इस महोत्सव का आनंद ले रहे थे । आचार्य श्री के सानिध्य में यह 68वां पंचकल्याणक महोत्सव है और बुदेलखंड की धरती पर यह 17वां आयोजन है 275 से अधिक मुनिराज आर्यिका के पीछे ब्रह्मचारी दीदियों के सानिध्य में इस महोत्सव ने जैन समाज के लिए एक अद्भुत मिसाल कायम की है ।

12 फरवरी से 24 फरवरी तक आयोजित महोत्सव में भगवान के पंचकल्याणक की प्रक्रिया 16 फरवरी से 23 फरवरी तक नित्य पूजन और छोटे बाबा के आशीर्वचन के साथ प्रारंभ हुई । प्रतिदिन धार्मिक क्रियाओं की मनभावन प्रस्तुतियों ने श्रावक को पंडाल से उठने का अवसर ही नहीं दिया 24 तीर्थंकरों के पहली बार एक साथ पंचकल्याणक का यह पहला अवसर था। सोमवार को आचार्य श्री के सानिध्य में 1 किलोमीटर की लंबी घट यात्रा में हजारों श्रावक शामिल हुए, 24 श्रावक तीर्थंकरों की प्रतिमाएं सिर पर रखकर चल रहे थे शोभायात्रा में 15 अश्वरोही के साथ 21 बग्घियाँ चल रही थी । पहली बग्घी में ध्वजारोहणकर्ता श्री अशोक पाटनी परिवार व दूसरी बग्घी में कुंडलपुर समारोह अध्यक्ष श्री संतोष सिंघई सपत्नीक विराजमान थे । इसके बाद पंचकल्याणक महोत्सव के मुख्य पात्र बग्घियों में सवार थे । गर्भ कल्याणक के दिन श्रावण धर्म रूपी रत्नों की बारिश की कुछ बूंदों को संचित करने के लिए दौड़े चले आ रहे थे ।

गर्भ कल्याणक के दिन आदिनाथ मंदिर में तीन चौबीसी प्रतिमा विराजमान की गई महोत्सव प्रांगण पर हेलीकॉप्टर के द्वारा पुष्प वर्षा की गई । जन्म कल्याणक महोत्सव में भगवान के जन्म की बधाईयों के उद्घोष से गूंज उठा । कुबेर ने रत्नों की वर्षा की, शोभायात्रा में लाखों श्रावक मौजूद थे । तप कल्याण के दिन नया इतिहास रचा गया, पूरे महोत्सव क्षेत्र में पैर रखने की जगह भी नहीं बची थी । 5733 प्रतिमाओं के साथ 18 ब्रह्मचारी क्षुल्लक बने और 176 बहनों ने आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत का नियम लिया । ज्ञान कल्याणक के पावन दिवस पर आचार्य श्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि **'ना मत कहो, हां की कूबत देखो, परिणाम देखकर दंग रह जाओगे, इसी हाँ ने इतना बड़ा आयोजन कर दिया है।'** आचार्य श्री ने आगे कहा कि चिकित्सा और इंजीनियर की शिक्षा हिंदी में कराई जाना चाहिए भाषा विकास से ही देश सशक्त बनते हैं । उन्होंने फ्रांस और चीन देशों का उदाहरण देते हुए कहा भारत का संविधान अपनी संस्कृति के अनुरूप नहीं है ।

मोक्ष कल्याणक के दिन 24 तीर्थंकरों का निर्वाण मंच बनाया गया। प्रात: 6.24 पर चौबीसों तीर्थंकर का मोक्षगमन हुआ । श्रावकों ने पूजन कर निर्वाण लाडू चढ़ाये । दोपहर में 27 सोने चांदी सजे हुए गजरथों की फेरी का अनुपम दृश्य कोई नहीं भूल सकता है । एरावत हाथी से लेकर दिव्य घोष और मुनि संघ की मौजूदगी में 3 घंटे में 7 परिक्रमा पूर्ण हुई। रथों पर सवार इंद्र इंद्राणी ने रत्नों की वर्षा की हर कोई रत्न मिलने की इच्छा लेकर झोली फैलाये फेरी मार्ग में खड़ा था जितने लोग फेरी में चल रहे थे उससे 10 गुना लोग पंडाल के चारों ओर जमा थे। इस पर अभी तक 400 करोड़ रु खर्च हो चुका है और आगे 200 करोड़ खर्च होने का अनुमान है।

गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास

महानुभाव

स्नेहिल आमंत्रण सम्मान समारोह एवं स्नेहभोज

गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास, इन्दौर द्वारा दिनांक 27 मार्च 2022, रविवार को आयोजित होने वाले सम्मान समारोह व स्नेह भोज में आपको सपरिवार सादर आमंत्रित करता है ।

आगमन एवं स्वल्पाहार : प्रात: 9 बजे
सम्मान समारोह : प्रात: 10.30 बजे से ❋ तत्पश्चात स्नेह भोज

स्थान : प्रारंभ गार्डन, होटल निर्वाणा के पास, एम.आर. 10, कुम्हेड़ी

परामर्श प्रमुख

श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन, अहमदाबाद
श्री प्रदीपकुमार जैन, रायपुर

प्रधान संपादक
सिंघई राजेन्द्र जैन 'बागो', 9424013136

सह संपादक
श्रीमती अनुपमा–रजनीश जैन, 9009066884
श्रीमती साधना–सुनील जैन, 8602696165
श्री विशाल जैन, 9453167716

कोषाध्यक्ष
सुधेशकुमार जैन, 9827254111

प्रबंध संपादक
राजेन्द्रकुमार जैन, सायकलवाले 9425353972
खुशालचंद जैन, 9302123879
कोमलचंद जैन, 9329524227

संयोजक एवं प्रकाशक
बाहुबली जैन, 9827247847

शिरोमणि संरक्षक –
श्री प्रदीपकुमार जैन, रायपुर
श्री सुधेश जैन, इन्दौर

संरक्षक –
श्री निर्मलकुमार जैन, डोंगरगढ़
श्री रजनीश जैन (स्कीम.74), इन्दौर
श्री कमलकुमार जैन, रायपुर
श्री राकेश जैन (अभिनंदन नगर) , इन्दौर

विशेष सहयोगी –
श्री गणेशप्रसाद जैन, दिगौड़ा
श्री अनिल कुमार जैन, मंदसौर
श्री अरुणकुमार जैन (बिलौआ), ललितपुर
श्री ऋषिराज जैन, अहमदाबाद

सहयोगी सदस्य –
श्री राजकुमार जैन, तालबेहट
श्री शिखरचंद जैन, झांसी
डॉ. हुकमचंद जैन पवैया, ललितपुर
श्री जिनेन्द्रकुमार जैन, झांसी
श्री अभिनंदन जैन, बछौड़ा
श्री प्रमोद कुमार जैन, गंजबासौदा

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	21000/–
परम संरक्षक (अ.जा.)	11000/–
संरक्षक (अ.जा.)	5100/–
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	2100/–
सहयोगी सदस्य (10 वर्ष)	1100/–

आप 'गोलालारीय दर्शन' के बैंक खाते में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्रं. 63048875855
IFSC Code: SBIN0030134
में चेक द्वारा ही जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी व अपना नवीन फोटो मय जानकारी के हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड व कार्यालय पते पर अवश्य भेजें ताकि आपको रसीद भेज कर आपका विवरण प्रकाशित किया जा सके।

विज्ञापन दर (कलर)

अंतिम पेज	15000/–
फुल पेज (अंदर)	11000/–
1/2 पेज	5000/–
1/4 पेज	3000/–
मांगलिक बधाई फोटो सहित	2000/–
शोक संदेश फोटो सहित	1000/–
बॉयोडाटा फोटो सहित	350/–

हार्दिक बधाईयाँ

✲ **श्रीमती अर्चना अनिल जैन** मंडला को रेल मंत्रालय ने हिंदी सलाहकार समिति का सदस्य मनोनीत किया है आप समाज सेविका साहित्यकार और लेखन के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान रखती हैं। साहित्यकार के रूप में आपकी रचनाओं को काफी पसंद किया जाता हैं। जिले और नगर की अनेक सामाजिक साहित्यिक संस्थाओं में उच्च पदों पर रहते हुए अपने दायित्वों का निष्ठा पूर्वक निर्वाह कर संस्था की गरिमा को आपने शिखर पर पहुंचाया है

✲ **रिया संजय जैन** क्राकरी वालों (विदिशा) की पुत्री ने ऑल इंडिया चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा उत्तीर्ण की है ।

✲ **अदिति सुधीर–अंतिम जैन** (विदिशा) की पुत्री ने ऑल इंडिया चार्टर्ड अकाउंट की परीक्षा उत्तीर्ण की।

✲ **डॉ. आरोही सुपुत्री डॉ. राजेश अंजू जैन** भोपाल का चयन डीएम कार्डियो में हो गया है कुछ माह पूर्व ही आप एमडी मेडिसिन पटना से कर भोपाल में चिकित्सा सेवा दे रही हैं ।

विनम्र श्रद्धांजली

✲ स्वर्गीय श्री प्रकाशचंद जैन की धर्मपत्नी एवं श्री अनिल जैन (सेंट्रल बैंक) की माताजी **श्रीमती कमला जैन** का देवलोकगमन 22 फरवरी को मंदसौर में हो गया आप सरल स्वभावी व धार्मिक प्रवृत्ति की श्राविका थी।

✲ **श्री प्रकाशचंद जी जैन सिंघई** का देवलोक गमन दिनांक 15 फरवरी 2022 को डोंगरगढ़ में हो गया है । आप एक हंसमुख, मिलनसार, कर्तव्य परायण, एवं कर्मठ व्यक्तित्व थे । खुश रहना एवं खुश रखना आपके स्वभाव में समाहित था, आप के निधन से डोंगरगढ़ समाज की अपूरणीय क्षति हुई है ।

✲ स्वर्गीय श्री भागचंद जी जैन पवई वालों के छोटे पुत्र व श्री निर्मल कुमार एवं स्व. श्री रविंद्र जैन के छोटे भाई **श्री विनोद कुमार जैन** का हृदयाघात से देवलोक गमन 12 जनवरी 22 को इन्दौर में हो गया है आप सामाजिक कार्य में विशेष रूचि रखते थे ।

✲ स्वर्गीय श्री देवेंद्र कुमार जैन (सागर वालों) के पुत्र व पलाश जैन के पिताजी **श्री आनंद कुमार जैन** का देवलोक गमन 25 नवंबर को इंदौर में हो गया आप सरल स्वभावी व्यक्ति थे ।

✲ श्री नवल चंद जैन की धर्मपत्नी एवं श्री किशोर जैन, डॉ राजेश जैन (MMIS) की माताजी **श्रीमती तुलसा देवी** का देवलोक गमन 23 नवंबर को भोपाल में हो गया आप धार्मिक प्रवृत्ति की श्राविका थी आपके परिवार द्वारा आपकी देह (शरीर) को चिकित्सा कार्य के लिए महावीर मेडिकल कॉलेज भोपाल को दान स्वरूप भेंट की गई ।

✲ स्व. श्री छगनलाल जी वेद की धर्मपत्नी एवं मुकेश राजेश व मनोज की माताजी **श्रीमती कमला बाई वेद** का देवलोक गमन 20 नवंबर 21 को बड़नगर में हो गया । आप धार्मिक प्रवृत्ति की सरल स्वभावी श्राविका थी ।

✲ श्री मुन्नालाल जी जैन (पिपरा वाले) की धर्मपत्नी, श्री मुकेश जैन की माताजी **श्रीमती सुशीला जैन** का देवलोक गमन 11 नवंबर को इंदौर में हो गया आप सरल स्वभावी व्यक्ति की श्राविका थी ।

✲ श्री दीपेश जैन के पिताजी **श्री प्रदीप जैन** का देवलोक गमन 7 सितंबर को इंदौर में हो गया, आप सरल स्वभावी व्यक्ति थे।

✲ **श्री ज्ञानचंद जी जैन** का दिनांक 22 जनवरी को देवलोकगमन इन्दौर में हो गया। आप सरल स्वभावी, कर्मठ और संकल्पों के धनी व्यक्ति थे। ललितपुर गोलालारीय समाज में सक्रिय रहते हुए विभिन्न सामाजिक सेवा के कार्यों में अपनी सामर्थ्य के अनुसार सहयोग करते रहते थे। आपकी स्मृति में परिवारजनों ने गोलालारीय दर्शन के लिए 3100 और कुम्हेड़ी जैन मंदिर सहित विभिन्न मंदिरों के लिए 21000 से अधिक की दान राशि दी है।

'गोलालारीय दर्शन' परिवार
विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता है ।

श्रीमती कमला जैन

श्री प्रकाशचंद जैन

श्री विनोदकुमार जैन

श्री आनंदकुमार जैन

श्रीमती तुलसादेवी जैन

श्रीमती कमलाबाई वेद

श्रीमती सुशीला जैन

श्री प्रदीप जैन

स्व.सिंघई श्री कन्छेदी लाल जैन एवं
स्व. श्रीमती फूलाबाई जैन, ललितपुर के ज्येष्ठ सुपुत्र,
स्व. श्रीमती राजकुमारी जैन के पति,

श्री ज्ञानचंद जी जैन 'नीमवाले'

की पुण्य स्मृति में अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

परिवार जन

✲ **भाई :** स्व.श्री वीरचंद जैन, श्रीमती आशा जैन, भोपाल, स्व.श्री लालचंद जैन, श्रीमती शशि जैन, झांसी, श्री संतोष कुमार जैन, श्रीमती प्रभा जैन, झांसी

✲ **पुत्र :** श्री रवीन्द्र कुमार जैन, श्रीमती ममता जैन, झांसी, श्री राकेश जैन, स्व. श्रीमती रजनी जैन, इंदौर, श्री राजेश जैन, श्रीमती शिल्पी जैन, ग्वालियर

✲ **पुत्री :** श्रीमती निरुपमा जैन, श्री पदम कुमार जैन, गंजबासोदा, श्रीमती अनुपमा जैन, डॉ. रजनीश जैन, इंदौर

✲ **ससुराल पक्ष :** स्व. श्री मिश्रीलालजी , स्व.श्रीमती मालती देवी, करेरा (ससुर) स्व.श्री दयाचंद, स्व.श्रीमती कमला भंडारी, करेरा, स्व.श्री विमल कुमार, श्रीमती प्रतिभा भंडारी, झांसी, श्री ऋषभ कुमार, श्रीमती कमलेश भंडारी, झांसी

✲ **नाती /पोते :** अनुषा विपिन जैन,अहमदाबाद, विजित जैन, रवीश कुंथल जैन, रवीना अनुराग जैन ,झांसी, अभिषेक जैन, आयुषी शुभम उपरित, आगरा, अरिहंत जैन, आकाश जैन, संस्कार जैन, आर्यमन जैन

कुंडलपुर महामहोत्सव में समाज के श्रावकों ने भाग लेकर पुण्यार्जन किया।

भगवान के माता पिता
श्री मुकेश-माला जैन, बड़ा घर परिवार, विदिशा

उपेन्द्र इन्द्र
श्री नरेन्द्र-सुरुचि जैन, पन्ना

उपेन्द इन्द्र
श्री नीरज-बंदना जैन, पन्ना

प्रीति इन्द्र
श्री श्रेयांस-लीला जैन, सागर

साधारण इन्द्र
श्री अनिल-रेखा मोदी, बाकल

साधारण इन्द्र
श्री मनोज-मनीषा मोदी, बाकल

साधारण इन्द्र
श्री पुष्पेन्द्र-प्रतिभा मोदी, बाकल

साधारण इन्द्र
श्री संजय-सीमा जैन, बाकल

शिखरजी ड्रीम्स व क्लर्क कालोनी में त्रिदिवसीय वेदी प्रतिष्ठा, जिनबिम्ब स्थापना महोत्सव साआनंद संपन्न।

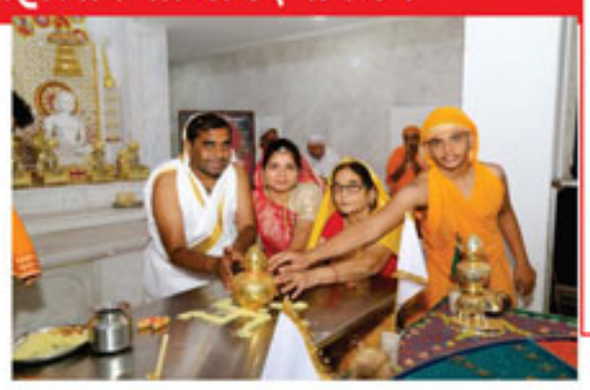

1008 श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जिनालय, शिखरजी ड्रीम्स में भव्य वेदी प्रतिष्ठा, जिन बिम्ब स्थापना, कलश आरोहण महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ का पूर्ण होना मानो वर्षों की कठिन परीक्षा का सफल होना है। परम गुरु समाधिस्थ 105 ऐलकश्री नि:शंकसागर महाराज जी के आशीर्वाद, प्रेरणा और मार्गदर्शन से मंदिर निर्माण की जिम्मेदारी श्री निशांत जैन सायकल वालों ने ली। 9 अप्रैल 2014 मे मंदिर के भूमि पूजन का कार्य आदरणीय ब्रह्मचारी अनिल भैया एवं अभय भैया के परम सानिध्य में सफलतापूर्वक पूर्ण हुआ।

ऐलक श्री नि:शंक सागर जी महाराज के प्रोत्साहन से बड़े आकार का मंदिर ही निर्माण करने का तय हुआ, जिसमें जिनालय स्थान लगभग 2500 स्के. फीट, दो कमरे संत सदन हेतु, स्नान ग्रह व पूजन की तैयारी हेतु कक्ष, कुल मिलाकर 4000 स्के. फीट का मंदिर का निर्माण करने का निश्चय किया गया। सन् 2020 जनवरी में आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के सानिध्य में 13 मंदिरों के पंचकल्याणक में से एक मंदिर 1008 पार्श्वनाथ दिगम्बर जिनालय का सौभाग्य भी था। बड़े ही गर्व की बात है कि मूलनायक श्री पार्श्वनाथ भगवानजी की पाषाण की प्रतिमा का सौभाग्य श्री निशांत जैन सायकलवाला परिवार को प्राप्त हुआ। बिजोलिया पत्थर से निर्मित इस प्रतिमा की फण सहित ऊंचाई 63 इंच है। श्री पद्म प्रभु भगवान की पाषाण प्रतिमा का सौभाग्य श्रीमती सुनीता निर्मल जैन, सिवनी वालों को हुआ जिसका आकार 29 इंच व वियतनाम पत्थर से निर्मित है। जिनालय में अन्य 11 प्रतिमाएं धातु की है इसमें से श्री आदिनाथ भगवान विराजमान करने का सौभाग्य श्रीमती नमिता कमलेश जैन, मुंबई वालों, श्री शीतलनाथ भगवान की प्रतिमा का सौभाग्य श्रीमती नम्रता नीलेश जैन विदिशा, श्री मल्लिनाथ भगवान जी को विराजमान करने के पुण्यार्जक श्रीमती रुचि आशीष जैन, श्री महावीर भगवान की प्रतिमा के पुण्यार्जक श्री अंजुल जैन, सिंगापुर टाउनशिप और श्री वासुपूज्य भगवान जी के पुण्यार्जक श्री आनंद कुमारजी-राजकुमारी जैन थे। वेदी प्रतिष्ठा का कार्यक्रम 27, 28 और 29 नवम्बर 2021 को साआनंद संपन्न हुआ।

त्रिदिवसीय भव्य आयोजन में आदरणीय ब्रह्मचारी अनिल भैयाजी एवं अभय भैयाजी के परम सानिध्य में श्री निशांत जैन ने कहा कि यह पूर्ण रूप से गोलालारीय समाज का जिनालय है। पात्र चयन द्वारा सौधर्म इंद्र श्री निर्मल जैन परिवार सिवनी वालों एवं ईशान इंद्र अंजुल जैन सिंगापुर टाउनशिप, महायज्ञ नायक निशांत जैन साइकिल वाला परिवार, यज्ञ नायक कमलेश जैन परिवार मुंबई, सनत कुमार इंद्र निर्मल जैन परिवार विदिशा, अन्य इंद्र रामस्वरूप जैन विदिशा, नीता जैन छतरपुर, दीपक जैन इन्दौर, रूपेश जैन इन्दौर, चंदा जैन, राजेश जैन, रजनीश जैन साइकिल वाला परिवार इन्दौर एवं श्रीमती कल्पना राजेन्द्र 'बागो', श्रीमती अनुपमा रजनीश जैन सहित 90% प्रतिशत इंद्र इंद्राणी और पात्रों में, प्रतिमा स्थापना में तथा अन्य बोलियों में गोलालारीय समाज जनों का विशेष योगदान था। नींव से लेकर शिखर तक सम्पूर्ण मंदिर निर्माण में श्री राजेन्द्रकुमार जी-चंदाजी, श्री राजेश -सुनीताजी, श्री रजनीश- रचनाजी साइकिल वाला परिवार और दीपक जैन परिवार का तन,मन और धन से किए गए इस योगदान की सभी ने भूरि भूरि प्रशंसा की।

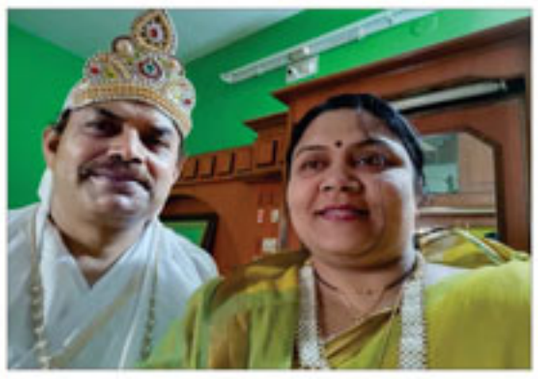

साधारण इन्द्र
श्री सुनील-वर्षा जैन, पन्ना

अष्ट कुमारी
कु. एरा पुत्री आलोक जैन, झांसी

***नगर के पूर्वोत्तर क्षेत्र के प्रसिद्ध क्लर्क कालोनी में श्री 1008 महावीर स्वामी जिनालय में तीन दिवसीय जिनबिंब स्थापना, वेदी प्रतिष्ठा, रथ यात्रा व विश्व शांति महायज्ञ महोत्सव 12 फरवरी से 14 फरवरी 2022 तक सानंद संपन्न हुआ। महामहोत्सव में मूलनायक प्रतिमा विराजमानकर्ता गोलालारीय समाज की स्थाई ट्रस्टी श्री रमेशचंद-प्रभाजी जैन (निर्वाणा) परिवार था। तीन दिवसीय आयोजन के सौधर्म इन्द्र इंद्राणी श्री गौरव- पारुल जैन, कुबेर इंद्र श्री प्रयंक- शालिनी जैन, महायज्ञ नायक श्री मनीष-मनीषा जैन, ईशान इंद्र श्री अखिलेश-प्रीति जैन, सानतकुमार इंद्र श्री संजय-सीमा जैन व माहेंद्र इंद्र श्री नरेश-कल्पना जैन ने विधान में खड़े होकर अपनी धर्म प्रभावना बढ़ाई। 12 तारीख की शाम भव्य शोभा यात्रा के साथ 1008 भगवान महावीर स्वामी जी की आरती के अद्वितीय आयोजन ने उपस्थिति श्रावकों को भक्तिभाव से सराबोर कर दिया। विधानाचार्य बा. ब्र.अभय भैया आदित्य के मार्गदर्शन में सभी धार्मिक क्रियाएं सुचारू रूप से संपादित हुई।

WELCOME TO THE
WORLD OF DIAMONDS

Abhiraj Jain Jariwala
Gemologist

- IGI, GIA Certified Diamonds
- Real Diamond Jewellery
- Astrological Gems Stone
- Polki Diamond Jewellery
- Wholesale & Retail

JARIWALA DIAMONDS™
FOR YOU. FOREVER

90, Jariwala Market, Lakherwadi, UJJAIN (M.P.)
Mobile : 97547 25555, 88893 21234

जैन समाज को कुरीतियों ने जकड़ लिया।

जन्म कुंडली के मिलान और नौकर दामाद खोजने में उलझा जैन समाज। परिवार के सभी रिश्तों और समाज निर्माण के लिए कम से कम तीन बच्चे होते हैं अच्छे

विशाल जैन पवा(तालबेहट) । वैश्विक महामारी 'कोरोना' ने हर समाज में भारी तबाही मचायी है, इससे यह संदेश स्पष्ट है कि परिवार में बिखराव नहीं एकजुटता और सामंजस्य होना चाहिए, इस आपदा ने जैन समाज को जीवन शैली परिवर्तित करने की सीख दी है। जैन समाज को अब अपनी सामाजिक वैवाहिक परम्पराओं में थोड़ा परिवर्तन लाना होगा । समाज शिक्षित होते हुये भी कुंडली के फेर में पड़ा है और अपने बच्चों के विवाह हेतु कुंडली मिलान के चक्कर में उन्हें अधेड बना रहा है, जैसे-जैसे परिवार सम्पन्न होता जा रहा है अंधविश्वास के मकड़जाल में फंसता जा रहा है। ऐसे लोगों से पूछा जाये कि क्या सभी के माता-पिता ने बच्चों के विवाह मे कुंडली मिलाई थी, क्या उनका वैवाहिक जीवन अच्छा नहीं चल रहा? क्या गुण व कुंडली मिलाने के बाद भी तलाक के आंकडे नहीं बढ़ रहे ? फिर ऐसे कुंडली मिलान से क्या लाभ ? आधुनिक कहा जाने वाला जैन समाज इतना अंध विश्वासी क्यों जाता रहा है? आज गृहस्थी की नींव भी कमजोर पड़ रही है, हर दिन किसी न किसी का घर टूट रहा है, परिवार बिखर रहा है या कशमकश की स्थिति और तनाव बेशुमार है, इसके कारण और जड़ (समस्या) को अनदेखा किया जा रहा है, अनावश्यक दखलअंदाजी, संस्कार विहीन शिक्षा, आपसी तालमेल का अभाव, न सुनने की आदत, सहनशक्ति की कमी, आधुनिकता का आडम्बर, समाज का भय नहीं, झूठे ज्ञान का घमंड, अपनों से अधिक गैरों की राय, घंटो मोबाइल पर चिपके रहना, अहंकार के वशीभूत होना और अपनी खुशियां केवल धन-दौलत मे खोजना। पहले भी तो परिवार होता था और वह भी बडा, लेकिन वर्षों आपस में निभती थी। भय भी था, प्रेम भी था और रिश्तों की मर्यादित जवाबदेही भी। पहले माँ बाप ये कहते थे कि मेरी बेटी गृह कार्य में दक्ष है, और अब कहते है मेरी बेटी नाजों से पली है आज तक हमनें इससे तिनका भी नहीं उठवाया है, तो फिर क्या करेगी शादी के बाद ? शिक्षा की होड़ में आदर सत्कार और परिवार चलाने के संस्कार नहीं दे पा रहे है । माँ खुद की रसोई से ज्यादा बेटी के घर में क्या बना इस पर ध्यान देती है, ऐसा कर वह दो घर खराब करती हैं। मोबाईल तो है ही रात दिन बात करने के लिए, परिवार के लिए किसी के पास समय नहीं है ।

बुजुर्गों को तो बोझ समझते हैं, पूरा परिवार साथ बैठकर भोजन तक नहीं कर सकता। बड़े घरों का हाल तो और भी खराब है । सबसे ज्यादा बदलाव तो महिलाओं में आया है, दिनभर मनोरंजन, मोबाईल, समय बचे तो बाजार और ब्यूटी पार्लर, भोजन बनाने या परिवार के लिये समय नहीं। घर के शुद्ध खाने में पौष्टिकता तो है ही प्रेम भी है, लेकिन ये सब पिछडापन हो गया है, आधुनिकता तो होटलबाजी में है। पहले शादी ब्याह में महिलाएं गृहकार्य में हाथ बंटाने जाती थी और अब नृत्य सीखकर। क्योंकि महिला संगीत मे अपनी प्रतिभा जो दिखानी है। जिस की घर के काम में तबियत खराब रहती है वो भी घंटों नाच सकती हैं। घूँघट और साड़ी हटना तो ठीक है लेकिन बदन दिखाऊ कपडे, यह कैसी आधुनिकता है? बरमाला में पूरी फूहड़ता, कोई लड़के को उठा रहा है, कोई लड़की को उठा रहा है यह सब क्या है? कहां गये वह मान मर्यादा के साथ सम्पन्न किये जाने वाले विवाह संस्कार । पहले स्त्री को छोडो पुरुष भी कोर्ट कचहरी से घबराते थे और शर्म भी करते थे अब तो फैशन हो गया है, पढे लिखे युवा तलाकनामा तो जेब मे लेकर घूमते हैं। पहले समाज के चार लोगों की राय मानी जाती थी और अब माँ-बाप तक को नहीं समझते। सबसे खतरनाक है जुबान और भाषा जिस पर अब कोई नियंत्रण नही रखना चाहता है।

कभी-कभी न चाहते हुए भी चुप रहकर घर को बिगड़ने से बचाया जा सकता है लेकिन चुप रहना कमजोरी समझा जाता है, आखिर शिक्षित है, और हम किसी से कम नहीं वाली सोच जो विरासत में मिली है, गोली से बड़ा घाव बोली का होता है। आज समाज सरकार व सभी चैनल केवल महिलाओं के हित की बात करते हैं। पुरुष जैसे अत्याचारी और नरभक्षी हों। एक अच्छा पति भी तो पुरुष ही है जो खुद सुबह से शाम तक दौड़ता है, परिवार की खुशहाली के लिये। खुद के पास भले ही पहनने के कपड़े न हों, घरवाली के लिये हार के सपने देखता है, बच्चों को महँगी शिक्षा देता है। संबंध जोड़ने को पहले लड़की के लिए संस्कारी लड़का, सामाजिक पकड़ रखने वाला परिवार और खानदान देखते थे और अब? सिर्फ नौकरी करने वाले बच्चों की बात की जाती है । मन की नहीं, तन की सुन्दरता, दौलत, कार, बंगला। लड़के वालो को लड़की बड़े घर की चाहिए जिससे भरपूर दहेज मिल सके और लड़की वालों को दौलतमंद लड़का ताकि बेटी को काम करना न पडे। परिवार छोटा ही हो और इस छोटे के चक्कर मे परिवार कुछ ज्यादा ही छोटा हो गया है। आज परिवार का मतलब सिर्फ पति-पत्नी और बच्चे नहीं बस एक बच्चा, आखिर क्या होगा ? परिवार के सभी रिश्तों को जीवंत रखने और समाज निर्माण के लिए कम से कम तीन बच्चे होते हैं अच्छे। समाज में यह बहुत बड़ी कुरीति है कि लड़का चाहे 40 हजार रुपये महीने ही कमाता हो लेकिन नौकरी वाला लड़का चाहिए, व्यापारी लड़का भले ही दो लाख महीने कमाता हो और अनेक लोगों को नौकरी देने वाला हो लेकिन अभिभावक की पहली पसंद नौकरी वाले लड़कों की ही होती है, जबकि अच्छे व्यापार करने वाले परिवारों की अनेक पीढ़ियां आर्थिक व सामाजिक रुप से सुरक्षित रहती है। संयुक्त और बड़ा परिवार सदैव अच्छा होता है, आज भौतिकतावादी युग में अनेक समस्याएँ और परेशानी होती हैं जिसमें साथ देने वाला कोई हो तो तनाव कुछ तो कम होगा। नौकर दामाद तलाश का कारण केवल यह है कि नौकरी वाला दूर परिवार से अलग रहेगा, नौकरी के नाम पर आजादी मिलेगी, काम का बोझ भी कम होगा। विवाह योग्य प्रत्याशियों के लिए आये दिन बायोडाटा ग्रुप खुल रहे हैं, उम्र मात्र 30 से 40 साल, एजुकेशन भी ऐसी, कि क्या कहना? कई डिग्री धारक रोज सैकड़ो लड़के और लड़कियों के बायोडाटा आ रहे हैं लेकिन रिश्ते नहीं हो रहे हैं, इसका कारण एक ही है इन्हें रिश्ता नहीं बेहतर की तलाश है। रिश्तों का बाजार सजा है गाड़ियों की तरह, शायद और कोई नयी गाड़ी लांच हो जाये। इसी चक्कर मे उम्र बढ़ रही है, अब इनको कौन समझाये कि एक उम्र में जो चेहरे में चमक होती है वो अधेड होने पर कायम नहीं रहती, भले ही ब्यूटी पार्लर में जाकर लाख रंगरोगन करवा लो ।

एक चीज और संक्रमण की तरह फैल रही है नौकरी वाले लडके को नौकरी वाली ही लड़की चाहिये खुद पर विश्वास ही नहीं कि वह अपनी पत्नि को खिला सकता है। अब जब वो खुद ही कमायेगी तो क्यों तुम्हारी या तुम्हारे माँ-बाप की इज्जत करेगी? बस यही सब कारण है आजकल अधिकांश परिवारों में तनाव है, एक दूसरे पर अधिकार तो बिल्कुल ही नही रहा। और सहनशीलता तो बिल्कुल भी नहीं इसका अंत दु:खद ही होता है । घर परिवार झुकने से चलता है, अकड़ने से नहीं। जीवन मे जीने के लिये रोटी कपड़ा और मकान की जरूरत है और उसमें सबसे ज्यादा जरुरी है आपसी तालमेल और प्यार। नौकरी पसंद वालों को इतना ही कहूँगा कि अगर धीरुभाई अंबानी भी नौकरी पसंद करता तो आज लाखों नौकर उसके अधीन नही होते। विवाह की बढ़ती उम्र पर समाज खामोश क्यों है? कुंवारे बैठे लड़के-लड़कियों की एक गंभीर समस्या आज सामान्य रुप से सभी समाजों में उभर के सामने आ रही है। इससे स्पष्ट है कि इस समस्या का उम्र ही एकमात्र कारण नहीं बचा है। ऐसे में लड़के लड़कियों के जवान होते सपनों पर न तो समाज की नजर है और न ही किसी रिश्तेदार और सगे संबंधियों की। बेशक यह सच किसी को कड़वा लग सकता है लेकिन जैन समाज की हकीकत यही है, 25 वर्ष के बाद लड़कियां ससुराल के माहौल में ढल नहीं पाती हैं, क्योंकि उनकी आदतें पक्की और मजबूत हो जाती हैं अब उन्हें मोडा या झुकाया नहीं जा सकता जिस कारण घर में बहस, वाद विवाद, तलाक होता हैं। शादी के लिए लड़की की उम्र 18 साल व लड़के की उम्र 21 साल होनी चाहिए ये तो अब बस आंकड़ों में ही रह गया है। एक समय था जब संयुक्त परिवार के चलते सभी परिजन अपने ही किसी रिश्तेदार व परिचितों से शादी संबंध बालिग होते ही करा देते थे। मगर बढ़ते एकल परिवारों ने इस परेशानी को और गंभीर बना दिया है। उच्च शिक्षा और हाई प्रोफाइल जॉब बढ़ती उम्र का प्रमुख कारण है, इसके बाद 2-3 साल तक जॉब करते रहने या बिजनेस करते रहने पर उसके संबंध की बात आती है। 30 वर्ष तक रिश्ता हो गया तो ठीक, नहीं तो लोगों की नजर तक बदल जाती है, लड़का-लड़की ही नहीं उसके माता-पिता, भाई-बहन, घर-परिवार और सगे संबंधी भी चिंतित होते हैं। आखिर कहां जाए युवा मन, अपने मन को समझाते-बुझाते युवा आखिर कब तक भाग्य भरोसे रहेगा। अपनों से तिरस्कृत और मन से परेशान युवा सब कुछ होते हुए भी अपने को ठगा सा महसूस करता है। हर लड़की और उसके पिता की ख्वाहिश से आप और हम अच्छी तरह परिचित हैं। पुत्री का बनने वाला जीवनसाथी पहले तो नौकर हो, खुद का घर हो, कार हो, परिवार की जिम्मेदारी न हो, घूमने-फिरने और आज से युग के हिसाब से शौक रखता हो और कमाई इतनी तगड़ी हो कि सारे सपने पूरे हो जाएं, तो ही बात बन सकती है। लेकिन हर लड़की वाला यह नहीं सोचता कि क्या उसका लड़का किसी और के लिए यह सब पूरा करने में सक्षम है? आज माता-पिता पूछते हैं लडके के लिए कोई अच्छी लडकी बताओ, और लडकी के लिए कहते हैं कोई अच्छा नौकरी वाला लडका बताओ, जब आपको नौकरी वाला दामाद चाहिए तो आपके लडके को कौन अपना दामाद बनाएगा, एक ही पहलू पर अलग-अलग सोच समाज की सबसे बडी बिडम्बना है।

बेटी को विवाह पूर्व नौकरी कराना अधिकांश माता-पिता के लिये अब शायद मुसीबत का सबब बनता जा रहा है। आज अधिकांश माता-पिता अपनी पुत्रियों को विवाह पूर्व नौकरी करवाकर अपने लिये एक समस्या तैयार कर रहे हैं और उन्हें उनके विवाह मे जो समस्याएं आती है उसका हल निकालना उनके लिये अब दुष्कर होता जा रहा है। आत्मनिर्भर हो जाने के बाद संस्कारों के अभाव में अधिकांश पुत्रियाँ माँ-बाप की बात नही मानती। नौकरियो मे उनका वेतन अधिक होने से उनसे कम वेतन वाले सदाचारी लडके उन्हें पसन्द नही आते। अन्य शहर मे नौकरी करने के कारण उनके विजातीय लडको से रिलेशिनशिप की संभावना से इन्कार नही किया जा सकता है । एक बार नौकरी मिल जाने पर उसे छोडने को तैयार नही होती, जिससे जिस शहर मे नौकरी करती है उस शहर में ही कार्यरत लडकी से अधिक पैकेज वाला आपके शहर का रहने वाला सजातीय वर चाहिये जो कि माता-पिता के लिये जटिल कार्य है। ऐसे वर की तलाश मे उनकी विवाह की उम्र निकल जाती है। ऐसा वर ढूँढना उन के लिये क्या, किसी के लिये भी मुश्किल कार्य है। बच्चों के माता पिताओं से निवेदन है कि कुछ वर्ष नौकरी करने के पश्चात विवाह बंधन में बांधने का प्रयास करना ही चाहिए ताकि वे समय रहते अपने परिवार को आगे बढ़ाये, वैवाहिक संबंध बनाने में कुछ समझौते यदि भविष्य संवारने के लिए किये जा सकते है तो करें । भविष्य में आप अपने निर्णयों पर निश्चित ही गर्व करेंगे कि उस समय लिया आपका निर्णय हमारे परिवार के लिए उचित रहा । हर किसी को हर चीज अपनी पसंद की नहीं मिलती यह सच हम जितना जल्दी मांग लेंगे उतना ही अपने आप को भाग्यशाली और संतुष्ट कर पायेंगे ।

UNIT OF JARIWALA GROUP

NOW ONLINE AVAILABLE :
- 92.5 Silver Jewellery
- Certified Gems Stone
- Certified Real Diamond Jewellery
- Certified Rudraksha

SONARI™ CREATIONS

Follow us : www.sonaricreations.com

Dr. Arohi Jain
Dr. Antra Jain
Abhiraj Jain
Adiraj Jain

Jariwala Market, Lakherwadi, UJJAIN (M.P.) 456006
Cell : 9522222751, 6261965047
Email : thesonaricreations@gmail.com

सुखलिया जैन मंदिर में पंचकल्याणक संपन्न...

राजेश जैन, इन्दौर । पाषाण से भगवान बनाने की प्रक्रिया पंचकल्याणक महोत्सव है जिसमें तीर्थंकर भगवन्तो के गर्भ, जन्म, तप, ज्ञान व मोक्ष कल्याणक का जीवन्त दर्शन होता है । इन्दौर के पूर्वोतर क्षेत्र सुखलिया मंदिर में पंचकल्याणक महोत्सव का आयोजन 22 से 27 नवंबर 21 तक साअनंद संपन्न हुआ। पंचकल्याणक में संत शिरोमणि 108 आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम शिष्य श्री 108 मुनि श्री मार्दव सागर जी महाराज का सानिध्य प्राप्त हुआ । सुखलिया समाज अध्यक्ष श्री विनोद जैन एवं उनकी समस्त कार्यकारिणी के अथक प्रयासों से कार्यक्रम साआनंद संपन्न हुआ । 28 वर्ष पूर्व पहली बार पंडित नाथूलाल जी शास्त्री के सानिध्य में आदर्श पंचकल्याणक संपन्न हुए थे । उस समय सुखलिया में करीब 40-50 परिवार थे आज लगभग 260 परिवार निवास करते है । पूर्व में मंदिर पहली मंजिल होने के कारण कुछ बुजुर्ग सदस्यों को दर्शन करने की असुविधा होती थी । सदस्यों की भावना थी कि तल मंजिल पर भी दर्शन उपलब्ध हो । तल मंजिल पर वेदी बनाना समय व समाज की महती आवश्यकता थी जो पंचकल्याणक के द्वारा पूर्ण हो गई । प्रथम तल वेदी पर मूलनायक 1008 भगवान श्री महावीर स्वामी जी श्री आदिनाथ जी व श्री चंद्रप्रभु जी विराजमान है, तल मंजिल पर 1008 भगवान श्री शांतिनाथ जी श्री कुंथनाथ जी व श्री अरहनाथ जी विराजमान है । पंचकल्याणक के प्रमुख पात्रों का चयन बोली द्वारा किया गया जिसमें गोलालारीय समाज के कई परिवार ने सौभाग्य प्राप्त किया । भरत चक्रवर्ती- श्री पंकज सरिता सिंघई, बाहुबली - श्री सनत मिथिलेश जैन, महामंडलेश्वर- श्रीमती आशा विजय पंचरतन व श्रीमती पारुल आशीष जैन, मंडलेश्वर- श्रीमती अनुपमा राजेश जैन, शतार इंद्र- श्रीमती अनीता राजेन्द्र राजदीप, आरण इंद्र - श्रीमती रक्षा प्रवीण जैन, आचुत्य इंद्र - श्रीमती पुष्पा ज्ञानसागर जैन आदि ने प्रमुख पात्र बनकर धर्म प्रभावना बढ़ाई । नगर में जब भी कोई धार्मिक आयोजन होता है तो समाज के संगठन व वरिष्ठ सदस्यों द्वारा आगे बढ़कर स्वत: ही जिम्मेदारियों का निर्वाह निष्ठापूर्वक करते रहे है । पूर्वोत्तर क्षेत्र में विगत कई वर्षों से धर्म प्रभावना निरंतर बहती रही है और इस क्षेत्र के कर्मठ व धर्मप्रेमी कार्यकर्ताओं ने इस आयोजन को यादगार बना दिया । महावीर युवा मंडल, सुखलिया ने मुनिश्री मार्दव सागरजी के विहार से लेकर पंचकल्याणक तक संपूर्ण कमान संभाली । भक्तामर युवा मंडल के कर्मठ कार्यकर्ताओं ने भोजन व्यवस्था का सुचारु संचालन किया । एड.अरविंद्र जैन परदेशीपुरा जैन मंदिर अध्यक्ष का मार्गदर्शन व सहयोग समय समय पर सुखलिया समाज को मिलता रहा है । महिला संगठन द्वारा तैयार विद्यासागर नृत्य नाटिका का मंचन ने सभी का मन मोह लिया ।

कुंडली मिलान एक अभिशाप है

मित्रो जब से कम्प्यूटर का चलन आया है तब से कुंडली मिलान की प्रथा बहुत ज्यादा हो गई है । इससे पहले कभी भी हमारे पूर्वज कुंडली का मिलान नही करते थे ।

आज आप के पूर्वज या माँ बाप जिनको आप अपने जीवन में उच्चतम स्थान देते होंगे । एक बार उनकी कुंडली मिलान करके देखिएगा । मैं दावे के साथ कहता हूँ 90% कि कुंडली नही मिलेगी, जब कि सबसे सफलतम परिवार वही होगा ।

आज हम शक्ल-सूरत, पढाई, आर्थिक स्थिति, शहर, उम्र सब मिलाने के बाद कुंडली में आकर अटक जाते हैं । इस कुंडली मिलान के चक्कर हम सब एक अच्छे जीवन साथी से चूक रहे है । कहते है भगवान राम-सीता जी कुंडली सबसे अच्छी मिली थी फिर हुआ क्या 14 वर्ष वनवास और फिर महल से निकाला गया ।

आज हमारा समाज इतना पढा लिखा हो गया है कम से कम इस वैज्ञानिक युग में हमे इन अंधविश्वासों को दूर करके एक अच्छे जीवन साथी की तलाश करनी चाहिए न कि एक अच्छी कुंडली की । अगर आप मेरी बातों से सहमत है तो अपने बॉयोडाटा में जन्म की तारीख तो लिखे पर जन्म के समय की जगह लिखे - हम कुंडली नही मिलाते । आप सब पढ़े लिखे लोग है, इसे एक अभियान बना दे । हमारे परिवारों की आधे से ज्यादा समस्या तो यूँ ही हल हो जाएगी जो कुंडली के चक्कर में अटकी है ।

कुंडली का सच - एक बार बनारस में भारत का सबसे बड़ा ज्योतिष सम्मेलन हुआ । वहाँ पर एक व्यक्ति 10 कुण्डलिया लेकर आया और उसने ज्योतिषियों के सामने कुछ प्रश्न रखे ।) इन 10 कुंडलियो में से कौन सी कुंडली लड़के की है और कौन सी लड़की की ? 2) इन 10 कुंडलियो के आधार पर व्यक्ति के जन्म का समय और स्थान क्या है ? 3) कुंडली के आधार पर कौन जैन, कौन सोनी, कौन पोरवाल, कौन सिंधी, कौन पंडित, कौन ठाकुर, कौन किस जाति का है ? 4) इन 10 कुंडलीयो में कौन कौन सा व्यक्ति जीवित अथवा मृत है ? 5) इन 10 कुंडली के आधार पर कौन सा व्यक्ति शादीशुदा है और कौन कौन सा कुँवारा है ? उस महासम्मेलन में किसी भी ज्योतिषी के पास इन सवालों का जवाब नही था । मित्रों, जिस कुंडली को देखकर आप आज यानी वर्तमान नही बता सकते है , उन कुंडलियो के आधार पर भविष्य को देखना एक मूर्खता के अलावा कुछ भी नही है । मित्रो कुंडली मिलान के चक्कर में आप अपने बच्चो का भविष्य अंधकार में ढकेल रहे है। आप अपने संस्कारों और श्रीजी पर भरोसा रखें सब अच्छा होगा ।

108 आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज का केन्द्र सरकार को बड़ा संदेश -

भारत को धर्म निरपेक्ष नहीं, धर्म सापेक्ष राष्ट्र बनाना चाहिए

पावन तीर्थ कुंडलपुर में 108 आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज ने भारत के संविधान में धर्म निरपेक्ष शब्द को हटाकर धर्म सापेक्ष करने का आव्हान किया है। आचार्यश्री ने कहा कि राष्ट्र की रक्षा और उन्नति धर्म से विमुख होकर कैसे हो सकती है? अंग्रेजों ने धर्म का अर्थ रिलीजन यानि साम्प्रदायिक होना गलत समझाया है। धर्म का सही अर्थ तो कर्तव्य का ठीक से पालन करना होता है। महोत्सव में लगभग एक लाख लोग उपस्थित थे । महोत्सव में केन्द्रीय विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया एवं प्रहलाद पटेल भी मौजूद थे ।

कुंडलपुर महोत्सव में भगवान आदिनाथ का समवशरण सजाया गया था। इस समवशरण में आचार्यश्री अपने निर्यापक शिष्यों के साथ विराजमान हुए। समवशरण में भगवान की देशना (धर्म उपदेश) के रूप में आचार्यश्री ने मंगल प्रवचन देते हुए कहा कि धर्म की विदेशी परिभाषा को स्वीकार करते हुए भारत को धर्म निरपेक्ष राष्ट्र कहा गया, यह बिल्कुल गलत है। धर्म का सही अर्थ समझा ही नहीं गया। धर्म हमें सदमार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। धर्म हमारी आत्मा को पवित्र बनाता है। भारत की संस्कृति रही है कि धर्म पर चलने वाला राजा ही प्रजा को सुखी रख सकता है। धर्म से विमुख होकर जनता का हित कैसे हो सकता है? भारत के राजनेताओं को इस बारे में सोचना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत के नेताओं को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। आचार्यश्री ने धर्म के पांच गुण भी बताये। उन्होंने कहा कि जहां झूठ, चोरी, हिंसा, कुशील के साथ कम से कम परिग्रह (आवश्यकता के अनुसार वस्तुओं का संग्रह) की बात हो, वहां धर्म होता है। दया का मूल ही धर्म है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में रहकर धर्म निरपेक्ष की बात करना, बिल्कुल गलत है। उन्होंने कहा कि मेरा यह संदेश केन्द्र सरकार तक पहुंचना चाहिए। आचार्यश्री के इस आव्हान पर लोगों ने तालियां बजाकर समर्थन किया।

आचार्यश्री ने इस बात पर चिन्ता व्यक्त की कि आज षड्यंत्रपूर्वक तरीके से अंडे को शाकाहारी और दूध को मांसाहारी बताया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस धरती पर यदि साक्षात लक्ष्मी है तो वह गाय है। शास्त्रों में लिखा है कि भगवान आदिनाथ के पुत्र भरत चक्रवर्ती के समय वे तीन करोड़ गौशालाओं का संचालन करते थे। आचार्यश्री ने नकली दूध के प्रचलन पर चिन्ता व्यक्त करते हुए त्यौहार के समय इससे बचने को कहा और गौशालाओं के संरक्षण व संचालन के लिए समाज के हर परिवार को आगे आकर सहयोग करने की भावना रखना चाहिए । **- श्रीमती साधना जैन,** भोपाल

गोलालारीय दर्शन के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित विवरण
घोषणा फार्म - 4 (नियम 8)

1.	प्रकाशक स्थल	127, देवी अहिल्या मार्ग, इन्दौर
2.	प्रकाशन अवधि	मासिक
3.	मुद्रक का नाम	बाहुबली जैन
	क्या भारत का नागरिक हैं	हाँ
	पता	310, उषा नगर एक्स., इन्दौर
4.	प्रकाशक का नाम	बाहुबली जैन
	क्या भारत का नागरिक हैं	हाँ
	पता	310, उषा नगर एक्स., इन्दौर
5.	संपादक का नाम	राजेन्द्र जैन
	क्या भारत का नागरिक हैं	हाँ
	पता	डीकेएन 230, विजय नगर, इन्दौर
6.	उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक से साझेदार या हिस्सेदार हों	श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास, इन्दौर

मैं बाहुबली जैन एतद् द्वारा घोषित करता हूँ मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य हैं।

हस्ताक्षर
बाहुबली जैन
(प्रकाशक के हस्ताक्षर)

1 मार्च 2022

आलोक जैन जरीवाला

- 916 हॉलमार्क गोल्ड ज्वेलरी
- कुन्दन ज्वेलरी
- रियल डायमण्ड ज्वेलरी
- शुद्ध सोने व चाँदी के सिक्के
- 100% शुद्ध चाँदी के पूजा के बर्तन

- Coloured Gem Stones Jewellery
- Loose Diamond & Solitaire
- 100% Natural Gem Stones

Certified Gemstone IGI GII

जरीवाला ज्वेल्स

90, जरीवाला मार्केट, लखेरवाड़ी, उज्जैन (म.प्र.) 456006
Mobile : 9826021234, E-Mail : jariwalajewels@gmail.com

महिलाओं को सम्मान दे

मान मिले सम्मान मिले,
नारी को उच्च स्थान मिले।
जितनी सेवा भक्ति वो करती।
उस से ज्यादा सम्मान मिले।
यही भावना हम भाते,
की उसको यथा स्थान मिले।।

कितना कुछ वो,
दिनरात करती है।
घर बाहर का भी
देखा करती है।
रिश्तेदारी आदि निभाती।
और फिर भी वो थकती नहीं।।

किये बिना आराम वो,
काम निरंतर करती है।
न कोई छुट्टी न ही वेतन,
कभी नहीं वो लेती है।
फिर भी निस्वार्थ भाव से,
ख्याल सब का रखती है।
ऐसी होती है महिलाएं,
जो प्यार सभी करती है।।

करती है जो कार्य वो,
कोई दूजा न कर सकता।
सब की सुनती,
सबको सहती।
फिर भी विचलित,
वो होती नहीं।
लगी रहती दिन भर वो,
अपने घर के कामो में।।

आओ सब संकल्प ले।
जन्म दिन के अवसर पर।
सदा ही देंगे उनको,
हम सब सम्मान अब।
क्योंकि वो है हम,
सबकी जो जननी है।
सहनशीलता की इस देवी को,
कुछ तो आज उपहार दे।
अपने मीठे वचनो
और मुस्कान से।
क्यों न हम
उसका सम्मान करे।।

– संजय जैन, 'बीना' मुम्बई

महिलाओं का समाज निर्माण की जिम्मेदारी निभाना ही होगी ।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस दुनिया भर में महिलाओं को सम्मान, सम्मान का अधिकार को उनके राजनीतिक आर्थिक सामाजिक सरोकार पर बल देने के लिए मनाया जाता है भारत में आजादी के **'अमृत महोत्सव'** में इस दिवस का अपना एक अलग महत्व है । हमारी प्राचीन परम्परा नारी के सम्मान पर हमेशा से बल देती रही हैं वैदिक काल में भी स्त्री सम्मान की स्थिति यह थी कि बिना उनकी उपस्थिति में कोई कार्य पूरा नहीं होता था अथर्ववेद का एक श्लोक है यत्र नार्यस्तु पूच्यन्ते रमन्ते तत्र देवता, यत्रैतास्तु न पूच्यन्ते सर्वास्तत्राफला क्रिया अर्थात जहां नारी की पूजा होती है उसे सम्मान दिया जाता है वहां देवता विचरण करते हैं और जहां उसके प्रति अनादर का भाव होता है वहां किसी भी तरह के या सभी तरह के कर्म निष्फल होते हैं नारी सम्मान की यह श्रृंखला चंदनबाला, सती अंजना, मैना सुंदरी, सीता देवी, पार्वती, गंगा, कुंती, शकुंतला आदि के रूप में हर समय हर काल में विद्यमान रही है पर अफसोस की बात है कि स्त्री के इस सम्मान को धीरे–धीरे बुलाने की कोशिश की गई ।

वर्तमान परिस्थितियों में अब जब महिलाओं को प्रत्येक क्षेत्र में समान अधिकार मिल रहा है तो राष्ट्र व समाज संगठन में भी महिलाओं को आगे बढ़कर अपनी सहभागिता निभाने का अवसर अवश्य ही

मिलना चाहिए । पहले समाजिक संगठनों में पुरुष का एकाधिकार होता था जिसके कारण सामाजिक नीतियां एक तरफा ही बनती रही, महिलाओं की भागीदारी से समाज में नियमों को बहुत कुछ परिवर्तन आया है ।

आज की परिस्थितियों में जब कई महिलाएं घर, व्यापार व नौकरी के साथ साथ परिवार का पूर्ण रूप से ख्याल रख रही हैं तो क्या वे समाज को सुदृढ़ बनाने में सक्षम नहीं है ? आवश्यक है कि स्थानीय व राष्ट्रीय सामाजिक संगठन महिलाओं को अपने संगठन में उचित स्थान व सम्मान दें । वे अपनी योग्यता और कार्यकुशलता से सशक्त समाज के निर्माण में बहुत ही सहायक होगी। हमें पूर्व की भांति महिलाओं का अलग संगठन बनाकर उन्हें सामाजिक जबाबदारी से दूर करने की मानसिकता को छोड़ना होगा आज पुरुष वर्ग को यह मानना होगा कि महिलाओं को बराबरी मे रख कर ही समाज संगठन को सुदृढ़ बनाया जा सकता है ।

महिला सशक्तिकरण की बात सिर्फ नारों और वादों में न रखते हुए इन बातों को हमें जमीनी स्तर पर उठाना होगा, आज की आवश्यकता है की महिलाएं समाज संगठन में अपनी अहम भूमिका निभाए । संगठित समाज के लिए महिलाओं का महत्वपूर्ण पदों पर होना आवश्यक है । जिस तरह से वे अपने घर परिवार का ध्यान रखती है उसी तरह वह अपने समाज व राष्ट्र के संगठन का भी ध्यान रखने में सक्षम है । बस हमें उन्हें सहर्ष ही समाज संगठन मे उचित व सम्मान जनक स्थान देना होगा । जैन समाज के संदर्भ में हम यदि देखें तो यहां पर हमारे यहां महिलाओं की साक्षरता का प्रतिशत शत प्रतिशत है । जिसके कारण आज हमारे समाज में बच्चों की साक्षरता व उच्च शिक्षा का प्रतिशत काफी ज्यादा है, माताओं की अच्छी शिक्षा के कारण बच्चों में अच्छे संस्कार होते हैं जो अच्छे समाज और राष्ट्र का निर्माण करने में सहायक होते हैं ।

अब महिलाओं को घर परिवार को साथ रखते हुए सामाजिक दायित्वों में भी अपनी भागीदारी निभाने के लिए आगे आना होगा । अपने रहवासी क्षेत्र में समाज की महिलाओं का संगठन बनाकर समाज के उत्थान के लिए चर्चा कर योजना बनाना चाहिए । यहां पर इस विषय को छोड़ देना चाहिए कि कि संगठन में गृहिणी या कामकाजी महिलाऐं, सभी को अपनी अनुकूलता अनुरुप समय देकर समाज विकास में सहयोग करना चाहिए ।

– अनुपमा जैन, सहसंपादिका

संगठन ही समाज को सुदृढ़ बनाते है

आज के इस दौर में जहां परिवार बिखर रहे हैं एकल परिवार के बच्चे नौकरी या व्यवसाय के लिए अन्य शहरों में जा रहे हैं। वहां सबसे बड़ी आवश्यकता है समाज के सशक्त संगठन की । संगठन समाज की विचारधारा को प्रदर्शित करने का मंच हैं जो समाज जमीनी स्तर पर संगठित होते हैं वह निश्चित ही अपने सामाजिक ताने–बाने को क्रियाशील व समृद्ध रूप से बनाए रखते हैं इसकी अनेक मिसालें हमारे सामने हैं खंडेलवाल समाज, परवार समाज, हुमड़ समाज, अग्रवाल व माहेश्वरी समाजों ने अपने संगठनों के बल पर ही अनेक शहरों में वह काम करा है जो अनुकरणीय और प्रशंसनीय हैं।

गोलालारीय समाज का राष्ट्रीय संगठन 22 वर्षों के पश्चात भी आज उसी जगह पर है, जहां से कभी उसने शुरुआत की थी बल्कि सही मयानों में तो यह उससे भी कई वर्ष पीछे जा चुका हैं।

गोलालारीय समाज के प्रतिष्ठित व समाजिक कार्यों में विशेष रुचि लेने वाल क्रियाशील महानुभाव के प्रयासों से वर्ष 2000 में जबलपुर में राष्ट्रीय संगठन बनाने के विचार को वर्ष 2003 में भोपाल अधिवेशन में अस्थाई कमेटी के आधार पर **राष्ट्रीय गोलालारीय परिषद** का गठन किया गया था, जिसमें मनोनीत प्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री चंपालाल नौहरकंला वालों के नेतृत्व में समाज हितार्थ कई योजनाएं बनाई गई थी, समाज के कमजोर वर्ग की आर्थिक उन्नति के साथ शिक्षा व स्वास्थ्य के लिए मार्गदर्शन व मदद करना, विवाह योग्य युवक युवतियों के लिए डाटा बैंक का निर्माण करना, समाज का मुखपत्र प्रकाशित करना व जिन नगरों में गोलालारीय परिवार अधिक है वहां पर स्थानीय गोलालारीय समाज का गठन करना और जहां गोलालारीय समाज का संगठन है उसे और अधिक सुदृढ़ करने के विचार के साथ आगे बढ़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, साथ ही आगामी छ: माह में गोलालारीय परिषद के चुनाव करा कर स्थाई समिति का गठन करने का निर्णय भी लिया गया था। सामाजिक संगठनों में महासचिव का योगदान विशेष उल्लेखनीय व महत्वपूर्ण होता हैं संगठन की समस्त गतिविधियां महासचिव के द्वारा ही संपादित की जाती हैं यह महत्वपूर्ण पद संस्था की धूरी होता है । महामंत्री के निर्णयों के आधार पर ही संगइन अपने क्रियाकलापों की गति और दिशा तय कर पाते है । इस महत्वपूर्ण पद पर सुशोभित पदाधिकारी की निष्क्रियता या महत्वकांक्षा के कारण संगठन अपने किसी भी लक्ष्य की और एक कदम भी आगे नहीं बढ़ सका वर्ष 2009 में इंदौर गोलालारीय समाज द्वारा आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन में 2003 के भोपाल अधिवेशन के विषयों पर पुनः चर्चा कर शीघ्र निर्णय लेने पर जोर दिया गया। जिसे उपस्थित सभी सदस्यों में गोलालारीय परिषद के विधिवत चुनाव करवाने पर सहमति बनी । वर्ष 2010 में भोपाल राष्ट्रीय अधिवेशन में लिए गए सामूहिक निर्णय अनुसार संगठन के चुनाव के लिए चुनाव अधिकारी की नियुक्ति व चुनाव में सहभागिता निभाने वाले सदस्यों के लिए नियमावली बनाई गई, कई शहरों के गोलालारीय सदस्यों द्वारा चुनाव में सहभागिता के लिए निर्धारित सदस्यता शुल्क भी जमा करवाया गया परन्तु आज 12 वर्षों के पश्चात भी महासचिव महोदय की और से चुनाव कैसे संपादित होगे आज तक सूचित नहीं करा गया ।

सशक्त राष्ट्रीय संगठन के अभाव में हम कई वर्ष पीछे चले गए हैं 20 वर्ष पूर्व यदि हमारे राष्ट्रीय संगठन को क्रियाशील बना दिया होता तो अनेक नगरों में हमारे स्थानीय संगठन अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए समाज की आर्थिक व समाजिक उन्नति के लिए कार्यरत होते, राष्ट्रीय संगठन की सशक्त कार्यकारिणी स्थानीय समाज में होने वाले बिखराव और मतभेदों को पूर्ण अधिकार के साथ रोकने में सक्षम होती। राष्ट्रीय संगठन के अभाव में छोटे छोटे नगरों में हम उन परिवारों के लिए कोई योजना नहीं बना सके जिनकी उनको आवश्यकता थी शिक्षा, विवाह व व्यवसाय संबंधी आवश्यक जानकारी ऐसी कोई भी योजना हमारे द्वारा नहीं बनने से हमारे बच्चे जानकारी के अभाव में अन्य दूसरे संगठनों पर आश्रित होते रहे यह हमारे लिए शर्म का विषय होना चाहिए।

इन्दौर गोलालारीय समाज द्वारा प्रकाशित समाज का एक मात्रमुख पत्र **'गोलालारीय दर्शन'** गत 12 वर्षों से समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को सफलता पूर्वक निभा रहा है परंतु हम उस दिन और अधिक सफल होंगे जब गोलालारीय समाज प्रत्येक नगर की प्रत्येक कार्यकारिणी अपने संगठन को महत्व देते हुए राष्ट्रीय संगठन को सशक्त बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं और राष्ट्रीय संगठन अपने जवाबदारियों का पूर्ण रूप से निर्वाह करते हुए प्रत्येक शहर के स्थानीय संगठन का सम्मान करते हुए, समाज के प्रत्येक वर्ग की सहायता के लिए तत्पर हो।

समाज संगठन से जुडा हर सदस्य को यह प्रण अवश्य ही लेना चाहिए कि निजी स्वार्थों को दूर रखते हुए संगठन के हितों को सर्वोपरि मानते हुए समाज में हो रहे बिखराव को रोकने का हर संभव प्रयास करेंगे और लोगों के मन में अपने समाज के प्रति आदर भाव व विश्वास बानाएं रखना ही हमारा ध्येय होना चाहिए ताकि हम गर्व से कह सके कि हाँ हम गोलालारीय हैं।

– राजेन्द्र जैन 'बागो', संपादक

नहीं जागी समाज तो टूट जाएगा ताना–बाना

अनिल जैन, बड़कुल, गुना । लगता है आजकल हर व्यक्ति अपने में मस्त है । अधिकांश परिवारों को होश ही नही कि वह किस दिशा में जा रहे हैं आने वाला समय उन पर कितना भारी पड़ने वाला है। जैन समाज में देर से विवाह करने की परम्परा ने पारिवारिक एवं सामाजिक व्यवस्था को छिन्न–भिन्न कर दिया है। जब तक लोग समझ पाते हैं तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। शासन एवं सामाजिक व्यवस्था अनुसार लड़कों के लिए 21 एवं लड़कियों के लिए 18 वर्ष की आयु होने पर शारीरिक, मानसिक एवम पारिवारिक स्थितियों के अनुसार सही उम्र में विवाह की व्यवस्था की गई है। लेकिन वर्तमान समय मे अधिकांश परिवारों ने देखा–देखी, लड़कियों को पढ़ाई की होड़ ने, बढ़ती उम्र की चिंता छोड़कर, जॉब कर ऊँचे पैकेज की प्यास ने सब कुछ अस्त–व्यस्त कर दिया है। बड़ी उम्र तक पढ़ाई फिर कुछ वर्षों तक जॉब, फिर योग्य वर की तलाश... तब तक लगभग आधी जिंदगी निकल जाती है। फिर दोनों के जॉब के कारण देर से संतान, और संतान होने पर उसके पालन की समस्या। परिपक्व उम्र, ऊंचे वेतन के कारण विवाह न होकर एक पार्टनरशिप जैसे रिश्ते हो रहे हैं समझौते में जरा से खलल पड़ते ही इनमें से बड़ी संख्या में रिश्ते टूट रहे हैं । विवाद, परित्यक्त एवं विवाह विच्छेद बढ़ रहे हैं। कुछ लड़कियां विवाह पूर्व सम्बन्ध बना रही हैं तो कई अंतरजातीय विवाह कर रही हैं। बड़े बड़े स्वप्न धराशाही हो रहे हैं माता–पिता सर पर हाथ रखे समझ नही पा रहे हैं ये हो क्या रहा है। जन्म दर 1.2 होने से लगातार आधी आबादी कम होकर कुछ वर्षों में कही जैन समाज विलुप्त ही न हो जाये। दूसरी ओर लड़कों की स्थिति बड़ी विचित्र हो गई है। व्यापारी परिवार से लड़की ब्याहने में लोगों को कम रुचि है। स्वच्छन्द जिंदगी जीने की ललक के कारण लड़कियों ने महानगर, विदेश में रहना स्वीकार लिया है। उनको केवल जॉब वाला लड़का ही चाहिए। परिणाम स्वरूप मध्यम वर्गीय व्यापारी परिवार के लड़कों के अविवाहित रहने की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है। सामाजिक व्यवस्था चरमरा रही है। छोटे नगरों और गाँव की स्थिति तो अत्यन्त चिंताजनक है। जब देश भर में, अल्पसंख्यक सेमिनार या युवाओं के बीच मोटिवेशनल स्पीच के लिए जाता हूँ तो बड़ी विकट परिस्थितियों को देखता हूँ जिनका समाधान अति कठिन होता है। आज समाज को बल्कि हर व्यक्ति को इस बारे में चिंतन करने की जरूरत है। अंधी दौड़ से थकने के पूर्व सही समय पर अच्छे–सार्थक निर्णय लेने की आवश्यकता है। लोगों को न देखकर अपने परिवार को देखने की जरूरत है वर्ना सब कुछ बर्बाद हो सकता है।

बायोडॉटा प्रारुप का विवरण

1. क्रमांक
2. प्रत्याशी का पूरा नाम
3. स्वयं / मामा का गोत्र
4. जन्म दिनांक
5. जन्म समय (रेलवे समयानुसार)
6. जन्म स्थान
7. शिक्षा
8. कद / वजन
9. वर्ण
10. व्यवसाय
11. वार्षिक आय
12. कुंडली मिलान
13. मंगली
14. पत्र व्यवहार का पता
15. फोन / मोबाईल नं.

प्रत्याशी का नवीन फोटो

---

1. 001
2. **इंजी अतुल अभिनंदन जैन**
3. वैद्य/फणीश
4. 20.08.1992
5. 19.20
6. निवारी
7. B.Tech
8. 5'8" / 66 कि.
9. साफ
10. मैनेजिंग डायरेक्टर – कलाथ ऑफ मांइड क्लासेस, दतिया
11. 8.00 लाख
12. हाँ
13. हाँ
14. पैरामेडिकल के सामने, कुम्हार का कुआं झाँसी
15. **7355661097, 9425454556**

---

1. 002
2. **इंजी राहुल अभिनंदन जैन**
3. वैद्य/फणीश
4. 18.09.1990
5. 13.20
6. निवारी
7. M.Tech
8. 5'8" / 66 कि.
9. साफ
10. डायरेक्टर – कलॉथ ऑफ मांइड क्लासेस, दतिया
11. 8.00 लाख
12. हाँ
13. हाँ
14. पैरामेडिकल के सामने, कुम्हार का कुआं झाँसी
15. **7355661097, 9425454556**

---

1. 003
2. **इंजी. करण रविन्द्र जैन**
3. दिवाकीर्ति
4. 08.12.1991
5. 17.40
6. दिल्ली
7. B.E. (E.C)
8. 5'7" / –
9. साफ
10. सर्विस– ब्रिटिश पेट्रोलियम
11. 7.00 लाख
12. हाँ
13. हाँ
14. 270, सेठी नगर उज्जैन
15. **9981503890, 9425380352**

---

1. 004
2. **विधान अतिल कुमार जैन**
3. प्रधान/भंडारी
4. 13.11.1992
5. –
6. –
7. B.Tech. (Petroleum Engg.)
8. 5'7" / – कि.
9. गोरा
10. सर्विस–शैल, चेन्नई
11. 15.00 लाख
12. –
13. –
14. 996, रेंज ऑफिस के पीछे, बबीना केंट झाँसी
15. **9415401538,**

---

1. 005
2. **अभिषेक विनोद कुमार जैन**
3. पवैया/पंचरतन
4. 22.06.1995
5. 21.50
6. मऊरानीपुर
7. B.Tech. (Civil)
8. 5'6" / – कि.
9. साफ
10. सर्विस – भारतीय रेलवे
11. –
12. आंशिक
13. हाँ
14. परवारीपुरा जैन मंदिर के पास मऊरानीपुर
15. **6387489476, 9415944150**

---

1. 006
2. **वि. सिद्धार्थ सुकमाल जैन**
3. दुहारे/मानोरिया
4. 01.11.1990
5. –
6. –
7. B.Pharma, M.A., B.Ed.
8. 5'6" / – कि.
9. गोरा
10. व्यवसाय– मेडिकल स्टोर
11. 8.00 लाख
12. –
13. –
14. मेन मार्केट, बृजपुर पन्ना
15. **9340053474, 9826876425**

---

1. 007
2. **रोहित दीपचंद्र जैन**
3. फणीश/बिलौआ
4. 11.06.1994
5. 21.30
6. लिधौरा, टीकमगढ़
7. Polytechnic Diploma
8. 5'7" / – कि.
9. गेहुँआ
10. शा. सर्विस – ग्वालियर
11. 4.80 लाख
12. हाँ
13. –
14. लिधौरा जिला टीकमगढ़
15. **9893812051, 7354950697**

---

1. 008
2. **दीप्ति दीपचन्द्र जैन**
3. फणीश/बिलौआ
4. 11.11.1996
5. 17.00
6. लिधौरा, टीकमगढ़
7. B.A, M.A, D.Ed.
8. 5'1" / – कि.
9. गेहुँआ
10. सर्विस एवं कोचिंग
11. –
12. हाँ
13. नहीं
14. न्यू बस स्टेण्ड, लिधौरा जिला टीकमगढ़
15. **7354950697, 9893812051**

कुछ बातें धन की...

यदि आप म्यूचुअल में निवेश नहीं करते हैं तो कमाई के अच्छे अवसरों को खो देते हैं म्यूचुअल फंड बैंक; पोस्ट ऑफिस या जीवन बीमा कंपनियों की योजनाओं से डबल रिटर्न देता है और गोल्ड और प्रॉपर्टी से ज्यादा । आप को डर लगता है सिर्फ मार्केट रिस्क से, तो क्यों ना हम मार्केट रिस्क को समझें डर अपने आप खत्म हो जाएगा ।

आओ समझे मार्केट रिस्क जब भी हम म्यूचुअल फंड का विज्ञापन देखते हैं तो सुनते हैं कि mutual fund investment are subject to market risk अर्थात म्यूचुअल फंड में बाजार जोखिम है और यह बात हमारे घर कर गई कि हम म्यूचुअल फंड में निवेश ही नहीं करते हैं म्यूचुअल फंड प्रतिभूति बाजार के द्वारा निवेश करते हैं । जहां बाजार होता है वहां रिस्क स्वाभाविक होती ही है, बाजार में जब बेचने वाले ज्यादा होते हैं तो दाम गिरते हैं यही मार्केट रिस्क है दाम गिरने के कई कारण हो सकते हैं

मार्केट रिस्क को कैसे कम करें –

अ) एकमुश्त निवेश लंबे समय के लिए करें – जब हम एकमुश्त निवेश करते हैं तो शॉर्ट टर्म में ज्यादा जोखिम होता है यदि हम लंबे समय तक एक स्कीम में बने रहते हैं तो समय के साथ–साथ रिस्क कम होता जाता है संक्षेप में कहें तो शॉर्ट टर्म/ हाई रिस्क, लॉन्ग टर्म / लो रिस्क । रिस्क एंड रिटर्न का गहरा संबंध है 5 साल से ज्यादा लांग टर्म समझे ।

ब) सिस्टेमेटिक इन्वेस्ट प्लान (SIP) द्वारा निवेश करें – इसमें रिस्क कम होगा व रिटर्न बहुत अच्छा मिलेगा एसआईपी निवेश आरडी की तरह है यह मासिक बचत की सर्वश्रेष्ठ योजना है एसआईपी जैसा कोई नहीं ।

स) सिस्टेमेटिक ट्रांसफर प्लान (STP) – इस स्कीम में आपका पैसा एकमुश्त लिक्विड स्कीम (ऋण योजना) में निवेश किया जाता है तत्पश्चात प्रतिमाह या प्रति सप्ताह कुछ रकम शेयर से संबंधित योजना में ट्रांसफर होती है इस तरह आप रिस्क को कम कर सकते हैं

द) एसेट एलोकेशन द्वारा रिस्क कम करना – इस तरह के फंड पूरी रकम शेयर से संबंधित योजना में निवेश नहीं करते हैं यह फंड कुछ रकम ऋण या कुछ सोने में भी निवेश करते हैं अतः इस तरह के फंड इक्विटी फंड की अपेक्षा कम रिस्की होते हैं

ड) ऋण योजनाओं में निवेश – आप लिक्विड फंड अल्ट्रा शॉर्ट टर्म वा लो ड्यूरेशन फंड में निवेश कर सकते हैं इन फंड में रिस्क बहुत कम होता है यह फंड रिटर्न भी कम देते हैं पर बैंक बचत खाते से ज्यादा । डायनेमिक बॉन्ड फंड व क्रेडिट रिस्क फंड एफ.डी. से ज्यादा रिटर्न देते हैं ।

अतः सारांश में हम कह सकते हैं कि म्यूचुअल फंड समय के साथ–साथ अच्छा रिटर्न देते हैं आप उस व्यक्ति से कभी सलाह नहीं लेवे जिसने म्यूचुअल फंड में कभी निवेश नहीं किया चाहे वहां किसी भी बड़ी पोस्ट पर हो जिसने म्यूचुअल फंड द्वारा पैसा बनाया है वही आपको अच्छी सलाह दे सकेगा यह लेख फाइनेंशियल जानकारी के लिए है आप अच्छे एडवाइजर से सलाह कर निवेश करें ।

इन्दौर गोलालारीय समाज ने कुम्हेड़ी मंदिर के पंचकल्याणक हेतु आचार्य श्री को श्रीफल भेंट किया ।

बाहुबली जैन, इन्दौर । इन्दौर गोलालारीय समाज के निर्माणाधीन कुम्हेड़ी स्थित 1008 श्री आदिनाथ जिनालय के पंचकल्याणक हेतु समाज की कार्यकारिणी व समाजजन आचार्य श्री को श्रीफल भेंट करने के लिए दिनांक 13 मार्च रविवार को कुंडलपुर होते हुए आचार्य श्री के चरणों में निवेदन करने पहुंचे । आचार्य श्री इंदौर चतुर्मास के समय कुम्हेड़ी स्थित इस निर्माणाधीन जिनालय में पधारकर हमें आशीर्वाद प्रदान किया। अब संपूर्ण गोलालारीय समाज की यही भावना है कि **इस मंदिर का पंचकल्याणक आचार्य श्री के सानिध्य या आचार्य श्री के योग्य शिष्य के निर्देशन में संपन्न हो । आचार्य श्री को समाज पदाधिकारियों ने अपने मंदिर की पूर्ण योजना बताते हुए आचार्य श्री से आशीर्वचन की कामना की ।**

गोलालारीय समाज का राष्ट्रीय संगोष्ठी 26 एवं 27 मार्च को आयोजित

राष्ट्रीय संगठन के पुनर्निर्माण हेतु इंदौर गोलालारीय समाज द्वारा शनिवार व रविवार दि. 26–27 मार्च 2022 को राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की जा रही है । गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास, इंदौर की समस्त कार्यकारिणी उन महानुभावों से करबद्ध निवेदन करती हैं जो अपनी गोलालारीय समाज के लिए काम करने की भावना मन में रखते हैं जो अपने समाज को सुदृढ़ व क्रियाशील बनाने के लिए संगठन काम करना चाहते हैं। आप हमें उन महानुभाव के नाम और मोबाईल नंबर अवश्य भेजे जो गोलालारीय संगठन के कार्य में रुचि रखते हैं हम उन्हें सादर इस कार्यक्रम हेतु आमंत्रित करने का पूर्ण प्रयास करेंगे। **आप हमें 9425903301/9424013136 पर अपनी स्वीकृति की सूचना भेजने का कष्ट करें। आमंत्रित सभी सदस्यों के रहने व भोजन की पूर्ण व्यवस्था इंदौर समाज द्वारा की गई हैं।**

सेवाभावी संस्थाएं आगे आएं, तभी समाज के हर वर्ग को मिलेगा लाभ ।

अल्पसंख्यक प्रमाण पत्र की अनिवार्यता 5 साल पहले शासन ने समाप्त कर दी है। इसके स्थान पर निर्धारित प्रोफार्मा में मात्र 'स्व घोषणा' ही पर्याप्त है। भारत सरकार ने किसी 'निजी व्यक्ति या निजी संस्था' को अल्पसंख्यक प्रमाण पत्र जारी करने नियुक्त नही किया है। देश भर की जैन समाज मे बड़े भ्रम की स्थिति है कि अल्पसंख्यक प्रमाण पत्र कहाँ बनता है। वह नहीं जानते कि अधिकांश योजनाओं में खासकर विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र नही बल्कि स्व–घोषणा पत्र ही पर्याप्त है। आप समझदारी का परिचय दें जब शासन ने स्पष्ट आदेश जारी कर दिए तो आप क्यों भ्रमित हो रहे हैं। बस निर्धारित प्रपत्र जो 1 रुपये से कम में फोटो कॉपी के रूप में तैयार मिलता है उसका उपयोग करें। स्वयं भरिये और उपयोग कीजिये। न स्टाम्प पेपर न किसी से आवेदन करने की जरूरत। अपना विवेक जाग्रत करें। भ्रमित न हों। अनेकों योजनाओं के स्वघोषणा पत्र भी शासन की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

* **अनिल जैन बड़कुल,** चेयरमैन – अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ, दिगम्बर जैन महासमिति

"प्रयास" आगामी अंक दिसम्बर 2022 में

गोलालारीय समाज द्वारा '**प्रयास रिश्तों को जोड़ने का...**' पत्रिका का चतुर्थ अंक नवंबर 2021 में प्रकाशित हुआ है समाज के वरिष्ठ सदस्यों की मंशा है कि यह पत्रिका प्रतिवर्ष प्रकाशित कि जाए ताकि विवाह योग्य प्रत्याशियों के जानकारी सुगम रूप से प्राप्त होती रहें। वर्ष 2022 में प्रयास रिश्तों को जोड़ने का पत्रिका दिसंबर के माह में प्रकाशित किया जाना प्रस्तावित हैं जिसकी पूर्ण जानकारी समाज के संचार माध्यम और सोशल मीडिया के द्वारा जुलाई 2022 से प्रसारित की जावेगी। **प्रयास पत्रिका में संपूर्ण जैन समाज के विवाह योग्य प्रत्याशियों की अधिकाधिक प्रविष्टियों के लिए हम सभी नगरों में अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से पूर्ण प्रयास करेंगे ताकि अधिक से अधिक परिवारों को प्रत्याशियों की सचित्र जानकारी देकर वे परिवार लाभान्वित हो सके।**

दाम्पत्य जीवन की हार्दिक शुभकामनाएँ...

सौ.कां. महिमा

सुपौत्री : श्रीमती प्रभावती-कीर्तिशेष श्री नेमीचंदजी जैन

सुपुत्री - श्रीमती राशि-राजेश जैन, झाँसी

संग

चि. शिखर

सुपौत्र : श्रीमती मनोरमा-शाह श्री मोहनलालजी अग्रवाल (जैन)

सुपुत्र : श्रीमती किरण-शाह श्री कमलजी अग्रवाल (जैन), इन्दौर

का

शुभ विवाह

2 दिसम्बर 2021 को

जी.टी.आई. ग्रैंड निर्वाणा, इन्दौर

में हर्षोल्लासपूर्वक संपन्न हुआ ।

विनीत -

श्रीमती प्रभावती जैन, राशि - राजेश जैन

दर्शनाभिलाषी -

मीना-राजेश इन्दौर, नीलम-संतोष अहमदाबाद,

सुनीता-सुधीर भोपाल, सारिका-सुधीर भोपाल

सविता-सुनील इन्दौर

चिं. अर्पित

सुपौत्र - स्व. श्रीमती रतनबाई - स्व. श्री रामदासजी जैन

सुपुत्र - श्रीमती सुनीता - स्व. श्री ओमप्रकाशजी जैन, इन्दौर (म.प्र.)

संग

सौ.कां. प्रणिता

सुपौत्री - श्रीमती गुलाबबाई-स्वं श्री गुट्टनलालजी जैन

सुपुत्री - सौ. मुक्तिमाला - सा. श्री प्रवीण कुमारजी जैन, उज्जैन (म.प्र.)

का

शुभ विवाह

23 नवम्बर 2021, मंगलवार को

मैरिज पार्क, एरोड्रम रोड़, इन्दौर में हर्षोल्लासपूर्वक संपन्न हुआ ।

विनीत -

श्रीमती सुनीता - स्व. श्री ओमप्रकाश जैन

चिं. इंजी. सिद्धांत

सुपौत्र : स्मृतिशेष श्रीमती कुसुमबाई-कुंदनलालजी मानोरिया

सुपुत्र : श्रीमती स्नेहलता-राजेश मानोरिया, विदिशा

संग

सौ.कां. इंजी. अनुप्रिया

सुपौत्री : स्मृतिशेष श्रीमती यशोदा-स्मृतिशेष श्री बाबूलालजी जैन

सुपुत्री : श्रीमती अनिता-अशोककुमारजी जैन, रायपुर

का

शुभ विवाह

26 फरवरी 2022 को

शहनाई गार्डन, विदिशा में

हर्षोल्लासपूर्वक संपन्न हुआ ।

नवदाम्पत्य जीवन की हार्दिक शुभकामनाएँ

चि. इंजी. प्रतीक

सुपौत्र - स्मृतिशेष श्रीमती गेंदाबाई - स्मृतिशेष सेठ चम्पालाल जैन
सुपुत्र - श्रीमती साधना - स्मृतिशेष सेठ पवन कुमार जैन
(नौहरकलाँ वाले) ललितपुर (उ.प्र.)

संग

सौ. कां. समीक्षा

सुपौत्री - श्रीमती गुलाबबाई - श्री गोपालचंद जैन
सुपुत्री - श्रीमती जयश्री - श्री संतोष कुमार जैन
घंसोर, जिला शिवनी (म.प्र.)

का मंगल परिणय

दिनांक 21 जनवरी 2022 को ललितपुर में उल्लासपूर्वक संपन्न ।

विनीत :
ताई ताऊजी - श्रीमती रेखा-स्मृतिशेष श्री प्रदीप कुमार जैन
चाची चाचा - श्रीमती ममता-प्रसन्न कुमार जैन
श्रीमती डिम्पल-शैलेन्द्र जैन
श्रीमती समीक्षा-महावीर जैन

उत्तरापेक्षी : शाहजी श्री आनंद कुमार-श्रीमती राजकुमारी जैन (इन्दौर)
बुआ फूफाजी - श्रीमती शशि-श्री सुरेन्द्र कुमार जैन(तालबेहट)
श्रीमती आशा-श्री अशोक जी (इन्दौर), श्रीमती पुष्पा-श्री अरविन्दजी (विदिशा)
श्रीमती ऊषा-श्री अभय जी (खुरई), श्रीमती अनीता - श्री प्रदीप जी (इन्दौर)
श्रीमती सुनीता-श्री नरेन्द्रजी (पन्ना), श्रीमती मीना-श्री सुमतचंद (बढेरा) लाइट हाऊस
श्रीमती साधना-डॉ. श्री अरुण जैन(जखोरा)
दीदी जीजाजी - श्रीमती प्रज्ञा-श्री अमित कुमारजी जैन (मुम्बई)

दाम्पत्य जीवन की हार्दिक शुभकामनाएँ...

परम पिता परमेश्वर की असीम अनुकंपा से

सौ.कां. सलोनी

सुपौत्री: श्रीमान राजेन्द्र - श्रीमती पुष्पा जैन
सुपुत्री : संजय - अंजू जैन , इन्दौर

का

शुभ विवाह

चिं. प्रखर

सुपौत्र : शाह श्री किशन जी - श्रीमती राधा जी बहाड़,
सुपुत्र : शाह श्री गोपाल जी - श्रीमती मोहिनी जी बहाड़, इन्दौर

के साथ
दिनांक 7 फरवरी 2022 को
पाम ट्री रिसोर्ट, इन्दौर
में सहर्ष संपन्न हुआ ।

हर्षित मन : प्रणय जैन (भाई)
समस्त वैद्य, दिवाकीर्ति एवं बहाड़ परिवार

नव दाम्पत्य जीवन की हार्दिक बधाईयाँ....

हृदयांश अमोघ

सुपौत्र : स्व. श्रीमती कमलाजी-स्व. श्री सुंदरलालजी जैन

सुपुत्र : सौ. कल्पना-आनंद जैन

संग

हृदयकर्णि रुपल

सुपौत्री : श्रीमती मगनबाई-स्व. श्री राजेन्द्रकुमारजी जैन

सुपुत्री : सौ. मंजूजी-श्री राकेशजी जैन

का मंगल परिणय

18 फरवरी 2022 को श्रीदा ग्रीन्स गार्डन एवं रिसोर्ट में

उत्साह पूर्वक संपन्न....

विनीत -

आनंद जैन, शांतिकुमार जैन

भरतेश जैन, बाहुबली जैन, अनन्त जैन

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के अपने है, संपादक मंडल का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है । किसी भी प्रकार का विवाद होने पर न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा ।

स्वामी श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास के लिए प्रकाशक, मुद्रक बाहुबली जैन द्वारा प्रकाशित प्रतीक्षा ग्राफिक्स 127, देवी अहिल्या मार्ग इन्दौ से मुद्रित एवं ग्राफिक्स ज़ील कम्प्यूटर एंड ग्राफिक्स 356, तिलक नगर श्री गोलालारीय दि. जैन समाज न्यास, 64, न्यू देवास रोड़, इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित ।